ਸਾਧੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸੇ ਬੱਧਤ

ਸੀਵਾਲਵਾਂ : ਮੂੰ ਮਾਲਡ ਸਾਧੀ ਮਾਰਿਗ ਹਾਲਾਤਾਂ ਵੀਚ ਮਿੱਖ ਨੀ

ਧਾਰਮਾ। ਟਿਲਵਤ ਮੁਮਕਿਤੀ ਅਸਵਾਦ ਨੀ ਹੀ ਆਲੀਫਾਤਵਾਲ
ਇੱਕ ਹੈ ਟਿਲਵਤ ਹੈ 800 ਦਾ ਪੁਹਾਰ ਪੁਰਾਣ

ਸਾਨੁ ਮੌਲਾ ਦੀ ਮੋਹਾ ਦੀਚੀ ਪੁੰਨ ਟਿਲਵਤ ਹੈ -

 ਦਵੀ ਆਲ ਸਿੰਘ ਬਲੇਲੀ ਸਿੰਘ ਖਤਰਵਾਸ
ਸੰਯੋਗਤਵਾਂ ਵਾਸਾਨ ਵਿਚ ਵਾਸਾਨ,
ਬੰਬੀਲੀ-੫

ਦੀੰ ਦਾਦ ੧੨੫੦

printed at The Veekay Weekly (Ptg. Press),
Mahim-Bombay-18.

ਧਾਨ ਮਾਰਿਗ ਹੀ ਮਸ਼ਿਵ ਸਟੇਟ ਸਸਤਰਾਂ

੩੭-ਸੀ. ਸ਼੍ਰੀ ਮਾਂ ਚਾਕਹੀ, ਭਾਰਤੀ ਫੀਡ

Digitized by Panjab Digital Library | www.paniabdigilib.org
9. नाफ़ में रात का देखा तत्वीं, उठे पिछे विता, मरा ते में लो तेही उठ, अनेकी गालए दिन दिस समात बुधीया मरा दिन आगां तत्वीं किछू में सबरा हैं?

2. समात दिन बंदी मंदू ते मंदू अभिना तत्वीं ने में दुःखी मधू दे खेला उं घर्ष मरे।

3. दिन सलीर दिनल का दूर है, रामका अभी है, ने ते जनदी दिवरी पिचे दिखे सबरा लता है।

4. मामां घरी दिवी गाल नस दिखा है, दिखे दी ते ते दिव जीव घरह नरी है, बंदी नील दिन खाल दिन वार्दी तत्वीं दिखी, दिन मलूष दिमार्ग दिम दिस तरी सबरा है?

5. राजा चला रिजं, गिरा नवा निशा, महा नदी, नामी चले तीप, छेड़ चलीं नादीं नादीं नारीं, राजी नदीं, नती निरी, समी धरे, बचे चली लती देख ते मलूष अपने अपनी सवर्ण मरवा है, दिखें भयभवन दी तत्व है।

6. दिन पुर्ण, वसमं, दियर उ मुरीवां ते रास उठे उठे नीदी दिन देखी ती असीगी तीमत है नी मानी मरीं धुरीं दे सवरी है, तब दिन दी मलूष हा दिल बनी दस मुरवा देशीं उं गरवा है। भयभवन!

7. मलूष ही दिखे दिस तही है, दिम ही दिसे दाख (जानके दिखे) दे दुःखी दर दे दर, तब दिचे दिचे देव दीउं दल मलूष परभुरा है मलूष सुखव बनी दे दरी है। भयभवन!


8. दुलियाँ बुध डै, भन्दह दी लिविली पांडी डै, भमां लिव बखरी (डेकी) डै। दिरबां दु मुदन्त दे झले रहल, ने एर एर चाँद दुमी दे शत्रीयां बाल लिलीरा रा पांडी बब बब ने लिन्ही आली बब बब रही रही।

9. निवा लेमब बरटा डै हिम्ली भम दी बब डै, बुम बबींद लल विद्वी अपांत हाल लिलीरा डै दिले दिले लिव बब बरटा ना सां लिलीरा ही हिल रही। भम ने बबल बाछी लेमब हुइ बब ने रो रही।

10. मेंट पुटे दुर्ला रहन देलि लबह डै राह डै, बुम बबीं दिर्मी दिले लिवले अब्बेरुज अब रथुहा डै, दिले बबल दिली दिली बब मबल डैं बब ने हुइ, दिले हिब आहुहा डै।

11. दिल साहित दिली मुस्ताना, बल मुस्ताना दुप्प दें हो आबर आबर दिलना डै हे दिल उदे बुद लही निल्लुलहता डै, ती बबी दिल बाल डै दिलबाँड दिल बाँड ने दिलबाँड अलीहा डै?

12. मंगाम डे साव, संबें, दिली, दिली, पुटे दे बर भएल बब दे उदे राह देली, दिल डे अली बाल मानी बेंड देलीया? बबा दिल बाल डे दिलबाँड दिल बाँड ने दिलबाँड बीली डा?

13. मांना जिस हिमनं दुर्ला डै दिली दिली मांना ही लिवले बिध लिव गे मेंना बड़ा लाही चढ़, बब दिल हेंबी डै मं मुलीबर डे हेंबी दिल ना मां देली डै, मांना हेंबी हूं बछ ने मंदीबीया डे में दिल बिठ पुलारी बबल डै, आबर्कौड डै हे बिल रही?

14. दुकी बाबां डे बीब बिघ जिहा? दुकी मबली हूं बी बीहा? दुकी मुहुर्वा बिंव बम बर रही? मुहूरत बिघ बहे तहीं बबे, भथें ही मेंट बट ताही डै, देली हे देली बबल जिहा डै, प्रत्येक हेंबी बे बाही डै, ती मांवी ब्युं बे बाहर बसीया डै, युढ ची एहर बब डे मीछू डे बाही डे साव दिल बुनल दिल ला।
गरिस समिखान दिल पिल न बीसी ग सर्विन दिल पिल
मध साई सावु आछे वि त्य आइ राप्टी।

१५. भर्टू दे आपदे बवभ दो वि बय ने दिखाई भाजा दे तावी दुपभी
वौं लग दिल धां धां बिखाना दिल, चैंबे दे वि दिल नीट्ट दिल धांब
दें बवभ लदी दिलपासा तवी दिल।

१६. सिद्हे दम दी भुसीवां दा दाम दल दिल। चैंबे दे वि भटू
दिल तू आपदे आली दुप दिल दिलपासा दा वरी दे जनाब तवी दिल।

१७. दल दी है ? बाजी दी है ? बरी दी है ? मुरध दी है ?
दहलू दी वल ! दिलूं दी बीजी दिल पिल दी है, बवभी बांजी ही, नत दे भर्टू बनी दिल दी मनिया ही वि उँ दी चीने हैं ?
दे उँके दिले आड़ी दा पुनिम दी है ? आपदे भाप दे कुछ दिलपासा भर्टू दें चलन सिंहं दी
कल दिल दले दी हंड़ दिल पिल दिल।

१८. सिद्हीवां दिल माँ वल वल वल, नत रुढीवां दा दी दा दे सा, बरी आपदे आली दल दे तमाब भाप, आपदे मुरध दी लहूदा दी वल।

१९. सिद्हीवां दिल उँके दिल दे दुमब दे पिल दी है कसी दी है?
आप दी है, उँके देंके दे मिने विप दी उँके मान दे भिनु वल। उँके देंके दे उँके देंके दे दिलूं दी दूली दी बिखाका है, दिल दबे देंके दी विप वल दें दे परिवार मिल दे बिलाके उँके विल विल ननही है।

२०. लविलूबु दी डलाडी, मिल दे दिलवाल दिल डेंटी दी दे सबे
उँके दिल देंके सरीव भरें, उँके दल दुमब दे परीव बचराह दें, दिल डेंटी सबाडी दे सबे तमाब भिना दिला, युँही दे फरीव उँके परा भर दा दिला है धृपर विल दी उँके देंके भाप दे सत्यो। सरीव दिल मव दलीं
ਰੋਡੀ, ਉਹ ਦੋਈ ਵਿਸ਼ਵ ਉਥੋਂ ਚੜਾਈ ? ਉੱਠ ਜਾਂਦੀ ਹੋਣ ਦੀ ਕਮਣੀ, ਤਾਂ ਹੀ ਜਾਣ ਵੇਲੀ ਚਲਣ ਤਲ਼ੀ ਨਹੀਂ ? ਤਾਂ ਕਹੋ—

ਸਕੀ ਲਗਣ ਸਕੀ ਚੱਕਨ ਤਲ਼ੀ ਆਸ਼ਿਆਂ।
ਸਕੀ ਲਗਣ ਬਾਲੀ ਤਲ਼ੀ ਬਾਸ਼ਿਆ।
ਸਕੀ ਲਗਣ ਕਵਿਕਲ ਤਲ਼ੀ ਕਿਏ ਬਾਵੀ।
ਬਾਜਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਮਹ ਸਾਹਿਬਾ ਪਾਤੀ।
ਪਾਣ ਨ ਜਾਣ ਉਧਸ਼ ਵਸਣ ਵਾਲੀ।
ਅਲੈਟ ਕਰਦਾ ਤ ਇਸ਼ਾਕ ਮਿਲੀ।

੨੨. ਦਿਖਾਵਾ ਦਾ ਕੀ ਅਧਾਰ ਹੀ ਹਵਾਲੀ ਦੇ ਦਿਖਾਵਾ ਜਾਂ, ਯੁਕਸ਼ਤਾ ਚੇਵੇ ਉਠਾਈ ਵਾਲੀ ਹੱਲ ਕਰਤੀ ਹੈ ਜੋਣੀ ਮਾਹੀ ਹੁਣਦੀ ਹੈ। ਸੰਤਰੇ ਵੇਰਿਕੀ ਆਸ਼ਾ ਸਤਾਲੂਂ ਅਧਾਰ ਲਹ ਸਾਦ ਨੇ ਮੁੱਲ ਤੋਂ ਹਰਮਨ ਮੁਹੇਸ ਵਾਜ਼ਾਂ ਹਿਚਾ ਵਹਾਂ।

੨੩. ਮਜੀਠ ਵਾਲੀ ਹੋਣ ਬਾਲੀ, ਆਰਮ ਹੋਣ ਹੇ, ਦੀਖਾਵਾ ਮਜੀਠ ਵਾਲੀ ਹੋਣ ਬਾਲੀ ਹੈ, ਦਿਖਾਵਾ ਵਾਲੀ ਅਭਾ ਸਤਾਲੂ 'ਂ ਸਤਾਲੂ ਦੀ ਮੁਹੇਸ ਹੇ ਅਮੀਠ ਹੋਣ ਵਲੋ ਰੇਡਾ ਸਾਗੀਆ।

੨੪. ਮਧਯ ਦਾ ਪਾਣ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਬਜਾਣ ਦੀਖਾਵਾ ਵਾਲੀ ਹੋਣ ਵਲੋ 'ਂ ਵੀਗੀਆ, ਮਧਯ ਹੇ ਹੀ ਵਾਲੀ ਦਾ ਸਧਾਰ ਅਖਾਦੀ ਪੀਆ ਵਜ਼ਾਂ ਅਮੀਠ ਵਲੋ ਦੀ ਵੇਬਾ ਵਲੋ ਵੀਗੀਆ ਵਲੀ ਹੋਣ। ਹੇ ਮਧਯ ਦਾ ਹੋਣ ਦੀ ਮੁਹੇਸ ਨਹ ਬਜਾਣ ਦੀ ਵਾਲੀ ਦੀਖਾਵਾ ਵਲੋ ਵੀਗੀਆ ਅਖਾਦੀ ਹੇ ਸਾਹ ਹੋਣ ਦੀ ਨਹੀ ਦਾਦਾ।
26. मैं तुम्हें विदेश भेजने का विचार नहीं किया है मिलेंगे तुम्हें एक एक चालींसे जाएंगे अपने घर के दरवाजे के पास।

27. मैं भी निश्चित नहीं कर सकता कि आपकी आत्मा एक बड़ी चीज की तरह है। यदि आप पहले भी निश्चित नहीं करते कि आप कैसे रहते हैं तब आप आप भी निश्चित नहीं कर सकते कि आप आप कैसे रहते हैं।

28. आप अपने घर के आगे दौड़ते हैं।

29. मैं भी अपने घर के आगे दौड़ते हैं।


32. पुष्पां पिंजरख छ, भाँविता नाविका छ, गुलामी छ आपाति
हि वसी शतक पाल बी बत, गुड उं आजः की सिन्हां होरीः दिये
भव वराह ता दुप्लाका वह।

33. साहिब आपाती सीख तू गुढ़ भाग में जा नहा है। विमली
तास सिमां छे आजः रहके निवेदिये तू बाला बत लेंगा है वे लेंगे ताह 
पुड़ुः हें सर्द यह आपाती तास के अपहरित घरखुंडः है।

34. दे साहिब दिख सिमां स्वाम पदी धेर तसीमे याने ते पारी 
की वृद्ध रुले दिमां नरी, दिये डिया दृढ़।

35. सिमां दे नवार्षा छे सिने डिक भाग दे हे वे, बुकी हे पंिे मलिके 
न्यु बिन बिन बिन बिनरी अनंती हुने तबुः कद निका सिने मुड़ आपातीमा 
भव लाबा हैं वे अलंकरण है सांगा है। दित गड़ा दिख आपाती निके हे तूर छे 
युवा बवता भव रात्र घट सांगा है।

36. ‘तां नय छे ठीक’ दिके दे चीरा ठीक विष्टली ही बिम बंधे उब 
उबा महरीमा वह, सिने हे ठीक दे मूः दे मुक्ती ठीक।

37. घीर घरी दुरा शहर दे श्रव दे हिम विन वह दे उं लालरौध दे 
शान शीती बीनी हे भा ची आपाती यव राह लिने वेंगास दे वुर्ती दे 
अनुपास साही।

38. सभ ला दिक नाम दे भवाती धरत मुख वड़ा हि दिया है। 
सभ दे विंजन हे दिम दे भेंड दी गाला दे भांटी है। विंजन ही हूफी हे 
दिम दे विंजन हे दे वार हे दिम दे विंजन ही धंधमा है।

39. दिस आपाती हे नीचे दे हूँ दिब हे हिम दे आपाती दिसना 
हरामना दिख यव लीकी, दिखाना निशि हुन धरत साही ठीक ठीक ठीक।
हेतु कर अवधान ले कर मापनें दरिया रे समल दिशा धमाल लगी यात्रा बीजा।

40. सबीरी ने भक्ति अलंकार ने निवास रात दिना है, इत्यादि अद्वैत बालगल के निवास थियार तरीकियाँ। परम इतिहास दिना मनहंगी तथ्य दिना विश्व विश्व दिना है दरा लें दरा रहे दरा मनहंगी लड़ी है।

41. अद्वैत है कि विषय में सांस्कृतिक विविधता दित तथा बालगल विनिमय दित तथा रूपसंरक्षण। अद्वैत समय में सिया उद्योग अद्वैत तरीकें दिना दिना है कि दरा तथा श्रद्धालु तथा दिना आ तरीके समुद्र दिना सुलझा है।

42. मूलसाहित्य, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, भिक्षुवाह, करू उच्चार, चित्र माँग तुफान मुक्तमारी द्वारा रह।

43. वरद उप निधी कर जयं है मुक्त दी सच्चा बनाती अग्नि है, सबबी दे मनोहर दी बनाता रात बनाती है पदार्थ रह।

44. महाभागा माँक ते रात मृत्युमारा दे निबद्ध है दरी है मूहलारा मत संस्कृत है।

45. मूर्तिविवरण, मूर्तिविवरण, मूर्तिविवरण, मूर्तिविवरण, मूर्तिविवरण दे परिवार पद, दिन हां वाणी मां कर दे भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भाव भावः
47. उरु बंदूक झल दी फांसी दिहिलाइं भाज तै घर दिखा बंदूक अपना आप बुल सांस दे, महिला लौकी दे बंदूक झल दी मूँर बंध उ झल दी उ इलाहाबाद घर टिके उन्हें घर टिके है।

48. गौतम दाट से उसके पिता बुल से आपातकाल है, धर दर का काल रोमुलस टिके रूसियां दी धर्मवर घर।

49. घासी बाया दर उसका सी रखदी है फिर तुलियों निच पी लेकिन नाराज है, आपने अपने दर दर हेरां उड़ा लें जो आपने दी काम खांसी दिखी है।

50. मानो, ताजमाल, रुद्रा, अंगर, चलनी, बलनी, दीप, दिवांजन, जलन, धूम, धूम, नशील, रूप मानीना सीरा नशीला अवस्था अक्षुन्न उ अक्षुन्न उंढी है देखी देंगी हो।

51. धूमावती बांड़ी रानी नट ले उड़ाव ला वात, तभी उंढी नट मे उड़ उटे बेण्डलिंग है दिखी गाड़ा बुलेंगे, बिनम देपुां धरा आपने उ दिखायव न हे, तभी उंढी आपके अपने तू पुपल तभी वर मवेंगे।

52. दिनही नाडी, माननी व तेव्र हीपड़ी राज बसिकारी दो बीढ़ा दिखा दिखा बेण्ड आपने उट दिखायवे उंढी उंढी ये बेरां रानी गम्भीर तुलं लेंगा।

53. देवी उ उड़ाव ला वेल वीं दी सतुमला वेल है।

54. चुम्ब, माननी, माननी, देवराव व सुधित राज आपनी देवी दोली दिख दी आपने पार्कर हे उंढी नौ देवी दुर्गा उंढी है।

55. मेंढ़ा आपनी माननी दोली देवी हें बींढ़ी नुंढे ताला सिहंग है, देवी दूसरा रानी बींढ़ी हे ने देवता दे बेण्डे अपनी भिक्षान तानीं पुर्ण सवर्ण, पत्ती देवती बान पनी तथा उंढे धर तानीं वस्त्र दे मिष्टा मा घुटा धरं दिख नेल दी तादुर दूसरां चे।
ਪ੍ਰ. ਸੀਮ ਵਾਲਾ ਤਰੀਕੇ ਵਿੱਚ ਅੱਠਾ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੀ, ਬੁੱਧ ਸੜਕਾ ਨਾਲ ਇੱਕ ਸ੍ਰੀ ਵਿਧਾਨ ਦੀਵਾਰੀ ਰਾਜਦੀਵਾਲ ਦੀ ਬਾਰੇ, ਮਿਲ ਕੇ ਬੰਧੁ ਦੀ ਸੌਮਾ ਤਰੀਕੇ ਦੀ ਬਾਰੇ, ਮੁਕਾਮਾਂ ਦੀ ਹੁਣ ਮਿਲੀ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਸੌ ਦਿਨ ਦੇਖ ਦੇਖ ਬੰਬੇ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੀਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਪ੍ਰ. ਪ੍ੰਤ ਵੱਡੀ ਹੇਠੀ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਹੇਠੀ ਹੇਠੀ ਹੇਠੀ ਹੇਠੀ ਹੇਠੀ ਹੇਠੀ ਹੇਠੀ.
47. ਕਲਵ ਬੀ ਹੈ?

48. ਮੁਲਾਦ ਬੀ ਹੈ?

49. ਹੇਠਲੀ ਬੇਠਾਂ?

50. ਮੂਰਦ ਬੇਠਾਂ?

51. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

52. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

53. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

54. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

55. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

56. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

57. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

58. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

59. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

60. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

61. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

62. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

63. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

64. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

65. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

66. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

67. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

68. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

69. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

70. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

71. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

72. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

73. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

74. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

75. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

76. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

77. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

78. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

79. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

80. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

81. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

82. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

83. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

84. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

85. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

86. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

87. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

88. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

89. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

90. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

91. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

92. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

93. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

94. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

95. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

96. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

97. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

98. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

99. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?

100. ਮੁੱਢਾ ਬੇਠਾਂ?
85. ਟਿੱਪ ਟਿੱਪ ਤੀਜੀ ਹੋਣਗੇ ਸਕਕਾ ਦੇਖਣ ਦੁਆਰਾ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਿੱਚ ਚਿੱਤਰ ਕੀ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰ ਵੀ ਪਰਾਪਤੀ ਵੇਲੀ ਦੇਖ ਪੁਸ਼ਤ ਹੈ, ਉਹੀ ਦੀਖਾਈ ਹੈ।

86. ਮੂਰਤਾਨ, ਸਰਹਾ, ਚਿੱਤਰ ਤਿਸ਼ਾਚੀ, ਨਿਸ਼ਾਚੀ, ਹੋਕ, ਪਰਵਾਰ ਉੱਤੇ ਬਾਦਵਾਰੀ—ਇਹ ਚੀਜਾਂ ਦੁਆਰਾ ਹੀ ਸਮਝ ਲਾਖ ਲਾਖ ਦੇ ਟੀਮ ਹੀ ਹੋਣਗਾ।

87. ਸਚ ਦਲ ਵਿਚਕਾਰ ਦੀ ਚਲੀ ਹੋਈ ਹਨ, ਜਿਸਦੀ ਧੁੱਲ ਸਿਵਾ ਤਕਾਸ ਹਰ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸੂਰਜ ਰੁੱਤਾਂ ਨਾਲ ਸੂਰਜ ਵਲੇ।

88. ਸਾਹਿਬਾਂ ਦਾ ਦੁਆਰਾ ਦਿਲਾਕਾ ਸਿਵਾਈ ਹੈ। ਸੂਰਜੀ ਦੀ ਸਾਹਿਬਾਂ ਵਰਤੀ ਹੀ ਹੈ। ਸੂਰਜੀ ਦੀ ਧੁੱਲ ਵੀ ਸੂਰਜੀ ਦੀ ਹੂੰਦੀ ਸੂਰਜੀ ਪ੍ਰਤੀ ਹੀ ਹੋਣੀ ਹੈ।

89. ਇਸੀ ਆਪਣੀ ਇਤਿਹਾਸ ਦਲ ਵਲੇ, ਚੇਤੀ ਹੁੱਲ ਤਾ ਪਹਿਲੀ ਸਥਾਨ ਵਿਚ ਵਿਚਕਾਰ ਤੀਜੀ ਤਸ਼ਾਮੂਜ ਦੀ ਜਾਂ ਸਿੱਖਾ ਦੀ ਪੁਸ਼ਤ ਵਿਸ਼ਵ ਦੀ ਰੋਮ ਇੱਕ ਦੀਪਾਲ ਦੀਕ ਹੈ।

90. ਅਧਾਨ ਦੀ ਸਰਕਾਰ, ਸੂਰਜੀ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਚੀ, ਹੋਕ ਦੀ ਮਸ਼ਹੂਰ ਚੀਜੀ ਅੰਤਰੀ ਮੁਖਾ ਵਿਚ ਵੀਚ ਮੁਖਾ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਦੁਆਰਾ ਦੀ ਉਦਰ ਵੀ ਲੇਖ ਦੀ ਪੁਸ਼ਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੋਣਗੇ।

91. ਦੁਆਰਾ ਦੀ ਉਦਰ ਪੁਸ਼ਤ ਦੀ ਦੀਪਾਲ ਸਕਾ ਹਨ? ਐਸੇ ਸਕਾ ਦੀਪਾਲ ਦੀ ਬਹੁਤ ਦੁਖਦਾਰ ਵਿਚ ਮੋਹਾ ਹੋਣਾ ਹੈ।

92. ਸਾਹਿਬਾਂ ਦੀ ਦੋਸਤ ਮੁਖਾ ਦੀਪਾਲ ਹੈ। ਦੀਪਾਲ ਦੀ ਵਿਚਕਾਰ ਮਤਲਬ ਹੈ, ਹੋਕ ਦੀ ਦੋਸਤ ਦੀ ਬਹੁਤ ਦੁਖਦਾਰ ਵਿਚ ਮੋਹਾ ਹੋਣਾ ਹੈ।

93. ਸੌਥੀ ਦੁਆਰਾ ਦੀਪਾਲ ਦੀ ਦੋਸਤ ਮੁਖਾ ਦੀ ਬਹੁਤ ਦੁਖਦਾਰ ਵਿਚ ਮੋਹਾ ਦੀ ਦੋਸਤ ਦੀ ਬਹੁਤ ਦੁਖਦਾਰ ਵਿਚ ਮੋਹਾ।
ਤੁਂ ਸਬੀਲ ਟ੍ਰੈਕ ਕਾਢ ਨਾਲੀ ਹੈ। ਪਹਿਲਾਂ ਪਾਣਾ ਸਾਲ, ਸਿੰਧੀ ਸਧ ਨਾ ਸਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

੫੪. ਭਾਨੁ ਵਾਲਾ ਵਾਦਾ, ਸਿੰਧੀ ਸਧ ਨਾ ਸਾਲ ਰੋਕਣ ਦੀ ਬਾਅਦ ਪੁਲਾਬਾਗ ਦੇ ਰੋਕ ਵਿਚ ਇੱਕ ਰੁਚੀ ਪ੍ਰਜਾ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ, ਇਹਦੀ ਸਾਈ ਵੀ ਅਧਾਰਤਾ ਨਾਲਾਂ ਵਿਚ ਪੁਨਿੰਦਾ ਹੈ।

੫੫. ਇਹਦੀਆਂ ਵਿਪਾਨੀਆਂ ਦੀ ਸੱਚ ਉਮਰਤਾਜ਼ ਹੈ ਸਿੰਘ ਹੀ “ਰਾਜਿਸਤਾਨ” ਸਰਕਾਰ ਇੱਕ ਦੇਖ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਪਾਣੇ ਦੀ ਸਾਲ ਰਾਸਕਾਰ ਪ੍ਰਜਾ ਦਾ ਮੋਮਚਾਨ। ਇਹ ਪ੍ਰਜਾ ਹੀ ਸਾਂਕਰ ਨਹੀਂ ਸਾਜਾਂ ਹੈ।

੫੬. ਸਰਦਾਰ ਸਿੰਘ, ਇੱਕ ਆਲੀ ਦੇਖ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਮੁੱਖ ਹੀ ਅਧਾਰ ਦੀ ਅਦਾਕਾਰ ਹੀ ਦੁਰੋਧੀਦ ਪ੍ਰਭਾਵ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਦੁਰੋਧੀਦ ਵਾਸ ਬਦਲ ਵਾਸ ਨੂੰ ਦੀ ਸਾਲ ਤੇ ਅਜਿਹਾ ਸੂਰਜ ਹੈ।

੫੭. ਪਾਣੀ ਦੀ ਭਾਰਤ ਸੁਖ ਇੰਜ਼ੀਅਨਾ ਦੇ ਲੁਟੂਂ, ਰਾਹ ਦੇਖ ਮੀ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਚੱਲਣ ਦੇ ਹੇਠਾਲੇ ਦੇ ਹੇਠਾਲੇ ਦੇ ਹਿੱਟ ਹੈ। ਇਹ ਜੂਡਾ ਹੀ ਸਾਲ ਜੀਵ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਤਾਂ ਹੀ ਰੋਕੀ ਦੀ ਵਿਰਾਜ ਮਾਫੀ ਵਿੱਚ।

'ਤੁਂ ਇਕ ਟੀਵੀ ਪਨਨ ਪੀਏਮ ਚਿਕੇਤਾ ਲ।'

੫੮. ਸਿੰਘ ਬਲੋਕ ਦੀ ਮੀਨਾ ਦਾਦ ਵਾਲਾ ਮੂਰਦੀਜ਼ ਹੈ, ਸਿੰਘ ਬਦਲਾਂ ਹੀ ਮੀਨਾ ਦਾਦ ਦੀ ਅਨੁਸਾਰ ਫ਼ਾਜੀ ਵਜੋਂ ਹੀ ਹੋ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ। ਸਿੰਘ ਮੀਨਾ ਦਾਦ ਵਾਲਾ ਦੀ ਵਿਰਾਜ ਮਾਫੀ ਵਿੱਚ ਮੀਨਾ ਦਾਦ ਵਾਲਾ ਵਰਤਨ ਆਪਣੀ।

ਹੇ ਜੋ ਮੁੱਕੀਆ ਕੀਮਤੀ ਦੇ ਸਿੰਘ ਵਿੱਚ ਹੇ ਵੱਲਪੇ ਹੋਣ ਤਲਾਦ ਦੀਆਂ ਸਿਕਾਰ ਦੇ ਵੱਲ ਵਰਤਾ ਦੇਖ।

੫੯. ਗੁਲਮਾਨ ਬੇਲਾ ਹੀ ਮਾਨੀ ਮਨੂੰ।
ਹੇ ਵੱਲ ਬੇਲਾ ਵੀ? ਸਿੰਘ ਦੀ ਵਿਦਵਾਨ ਬਾਨੂ ਨਾ ਮਿਲਾਂ।

੧੦੦. ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਬੀਲ ਭਿੰਦ ਮਾਫੀਆ, ਜੁਹੁ ਹੀ ਨੂੰਲੀ ਦਾ ਦਹ ਸੀ ਸਾਲ ਮਾਫੀਆ ਪਾ ਦੇਖੇ ਦੱਖੀ ਦਰਮਿਆਨ ਕਰ ਰਹੀ ਦੁਆਰੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸ, ਸਿੰਘ ਵਾਲੇ ਵਧਾਨ ਦੇ ਬੇਲ। ਅਗਲੀਆਂ ਦੇਖ ਦੱਖੋ ਹੇ ਬੇਲਾ ਦਰਸ਼ਨੀਆਂ ਹੀ? ਸਾਚਾ।
ਦੁਆਰੀਆਂ ਦੇਖ ਦੱਖੋ ਹੇ ਬੇਲਾ ਦਰਸ਼ਨੀਆਂ ਹੀ? ਸਾਚਾ।
With Best Compliments

from:

S. Atam Singh Kohli & Bros.
Importers & Exporters
350/54 Katha Bazar,
BOMBAY-9.

Phone: 324459
Res.: 532138